!! तेरापंथ के आद्य प्रर्वतक आचार्य श्री भिक्षु का !!
!! २८६वां जन्म दिवस बोधि दिवस के रूप में !!

अर्हम्

सुनाम - दिनांक 13-7-2011 को शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर के सानिन्धय में आचार्य श्री भिक्षु जन्म दिवस बोधि दिवस के रूप में मनाया गया।

साध्वी श्री सोहनकुमारी जी ने इस मंगल अवसर पर कहा- कि आचार्य भिक्षु एक महान् क्रान्तिकारी एक विधिविता एवं अध्यात्म जगत् के उज्जवल नक्षत्र थे। महावीर वाणी को केन्द्र में रखकर उनकी सारी साधना परिक्रमा कर संसार को सम्यकत्व रूपी नवनीत प्रदान किया। उन्नीसवीं सदी के प्रारम्भ में एक क्रान्ति घटित हुई, जो आज तेरापंथ के रूप में संसार के सामने प्रस्तुत है। आचार्य भिक्षु ने धर्म की शुध्द व्याख्या प्रस्तुत की। त्याग में धर्म है, भोग में धर्म नही है। आज्ञा में धर्म है, आज्ञा के बाहर धर्म नही है। धर्म अमूल्य है, मोल से मिलने वाला धर्म नहीं है। धर्म हदृय परिवर्तन में है, बल प्रयोग में नहीं।

समयक् ज्ञान, समयक् दर्शन और समयक् चारित्र की अराधना से ही मोक्ष-मार्ग का आराधक बन सकता है। आज के युग में चमत्कार को नमस्कार करती है जनता। महान् साधक आनन्दधन जी अनेक सिध्दियो के अधिकारी थे। किंतु उन्हों ने कभी भी उनका उपयोग चमत्कार के रूप में नहीं किया। आचार्य भिक्षु ने भी यही कहा- धन से कभी धर्म नही होता। धर्म होता है, आत्मा से। न कि प्रदर्शन से हम अधिक से अधिक आचार्य भिक्षु को समझें और उनको जीवन में उतारे।

साध्वी श्री लज्जावती जी ने कहा- कि आचार्य भिक्षु का जन्म उस समय हुआ जब धर्म गाजर और मूली की तरह बिक रहा था। प्रतिकूल परिस्थितयों में फौलादि पुरूष ही अपने पथ पर निर्भिक और निडर होते है। सत्य का साक्षात्कार करने का स्वपन देखा। उसके साथ संकल्प था-

शुद्ध साधना मुझे करनी है। आचार पद्धति हमेशा एक सी रहती है। मार्ग बडा है या लक्षय! मार्ग हमारा महान् होगा तो लक्षय अपने आप महान् बन जाएगा। हम परम सौभाग्यशाली है- भिक्षु शासन में साधना करने का मौका मिला। पुरूषार्थ रूपी दीपक जलाकर समयक्दृष्टि रूपी प्रकाश फैलाकर संसार को नया मार्ग प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में साध्वी श्री सिद्धान्त श्री जी, साध्वी श्री लावण्य श्री जी, रामलाल जी जैन, केवलकृष्ण जी जैन, हितेश जैन, पूनम जैन आदि ने आचार्य श्री भिक्षु के प्रति अपने भावों की प्रस्तुति दी।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President:- Sumit Jain.
Secratery:- Ashish Jain.
Date Of Sent:- 15-7-2011. Hitesh Jain (90413-99764)

****